आज का पुरुषार्थ 4 March 2023

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

सार – *"आज से हमें एक बात पक्का करना है कि .. अगर हमें सतयुग में पहले पहले आना है तो .. अमृतवेले से लेकर हर पल को हमें श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ बनाना ही है "*

हम सभी बाबा के अनमोल रतन है। उसने रोज हमारा श्रृंगार किया है। ताकि हम सृष्टि का श्रृंगार कर सके। उसने हममें शक्तियाँ भरी है ताकि हम दूसरों के विघ्न नष्ट कर सके। उसने हमें अपरमअपार **सुख** दिया है ताकि हम दूसरों के दुःख हर सके।

यह काम रोज़ **अमृतवेले** बाबा करता है। और **भाग्यवान** है वह आत्मायें जो रोज सवेरे उठकर प्रभु मिलन का अनुपम सुख प्राप्त करते है। जो देर से उठते है, बाबा ने कह दिया वो **सतयुग** में भी देर से आयेंगे।

सवेरे ब्रह्ममुहुर्त में हम ब्रह्मलोक में सहज विचरण कर सकते है। हम बाबा से बहुत प्यार भरी बातें कर सकते है।

सोचो भगवान से बातें करने का सुख कितना बड़ा है। इस सुख को हम सदा प्राप्त करे।

दिल भरकर उनसे बातें कर ले। अपनी सब सुना दे, उनकी भी सुन ले। कईयों को होता है ' उनकी हमें सुनाई नहीं देती। जितनी बुद्धि की line clear होगी, जितनी बुद्धि **स्वच्छ** होगी, उनकी भी सुनाई देगी।

तो सवेरे उठ बाबा को सच्चे मन से शुक्रिया करे →

' क्या क्या दिया आपने हमें '

उठते ही यह काम करे तो मन आनन्द से भर जायेगा। और न नींद आयेगी, न व्यर्थ चलेगा।

' आपने हमें श्रेष्ठ बुद्धि दी, आपको बारम्बार शुक्रिया .. आपने हमें जीवन जीना सिखाया, आपको कोटि कोटि बार **धन्यवाद** .. आपने हमें सत्य-ज्ञान दिये, दुःख हर लिया।

.. आपने हमें भक्ति का फल दे दिया .. जो कुछ हमें तेषठ जन्म में न मिला था वह सब पूर्ण कर दिया .. बारम्बार सच्चे दिल से आपको **शुक्रिया** '

प्यार में बांध ले सवेरे उठकर बाबा को और मेहसूस करे वो हमारे कितने समीप है, हम उनके कितने अधिकारी बच्चे है।

सवेरे बाबा हमारी भूलों को **क्षमा** भी कर देते है, परन्तु उनकी जो बाबा से **सच्चे** रहते है और जो उन भूलों को रिपीट नहीं करते।

तो हम अपनी झोली खोलकर रखें और **बाबा से सर्वस्व प्राप्त करे।** और उसके बाद जम्प लगाकर बैठ जाया करे परमधाम में, ज्ञान सूर्य की किरणों के नीचे। और मेहसूस करे ..

" उनके समस्त शक्तियाँ मुझ में समा रही है "

यह बहुत सुन्दर एकाग्रता होगी, उसके बाद तीनों लोकों में जाने का और वापिस आने की अच्छी ड्रिल कर ले। इसमें भी एकाग्रता बढ़ेगी ..

" मैं आत्मा इस देह में अवतरित हुई हूँ "

फिर सूक्ष्म लोक में →

" बाबा की हजार भुजायें मेरे सिर के ऊपर .. और बाबा दृष्टि दे रहे है "

बहुत अच्छा अनुभव करेंगे ..

" बाबा से दृष्टि लेकर संसार को दृष्टि दे "

और फिर ..

" परमधाम में सर्वशक्तिमान के पास बैठ जाये "

.. फिर वहाँ से ..

" अवतरित होकर इस देह में प्रवेश कर ले "

यह अभ्यास रोज अमृतवेले हम सबको करना चाहिए। संसार को सकाश देनी चाहिए। हम अमृतवेले अपने **भाग्य की श्रेष्ठ रेखा** बाबा से खिंचवाते चले।

यह समय दोबारा नहीं आयेगा। सोना तो बाद में भी हो जायेगा। अपने दिनचर्या को ऐसे सेट करे कि →

' टाइम पर सो जाये और चार बजे के पूर्व उठ जाये .. भोजन भी बहुत पहले जाये, आठ बजे तक .. और कम खाये, ताकि कोई भी भारीपन शरीर पर न रहे।

तो रोज अमृतवेले का आनन्द लेंगे और आज सारा दिन ..

" तीनों लोकों को रमण करने की ड्रिल करेंगे "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Main: www.shivbabas.org